जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

18 दिसंबर, 2024

**जामिया ने यात्रा प्रौद्योगिकी में उद्योग-तैयार कौशल को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए**

नई दिल्ली: जामिया मिलिया इस्लामिया (जेएमआई), एक एनएएसी ग्रेड ए++ मान्यता प्राप्त केंद्रीय विश्वविद्यालय, ने पर्यटन और आतिथ्य प्रबंधन विभाग (डीटीएचएम) के छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए डीबॉक्स ग्लोबल आईटी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह पहल छात्रों को प्रमाणित करेगी, उनके व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ाएगी और डीबॉक्स ग्लोबल के ग्राहकों के साथ प्लेसमेंट के अवसर पैदा करेगी।

यह सहयोग राष्ट्रीय शैक्षिक नीति (एनईपी) 2020 और सरकार की 'स्किल इंडिया' पहल के अनुरूप है, जो कौशल-आधारित प्रशिक्षण और अनुभवात्मक शिक्षा के माध्यम से शिक्षा और उद्योग के बीच अंतर को पाटने पर केंद्रित है। जेएमआई के रजिस्ट्रार प्रोफेसर एमडी. महताब आलम रिजवी द्वारा हस्ताक्षरित एमओयू का उद्देश्य छात्रों के बीच रोजगार क्षमता और उद्योग की तैयारी को बढ़ावा देना है।

प्रबंधन अध्ययन संकाय के डीन, प्रो. (डॉ.) अमीरुल हसन अंसारी, जिन्होंने डीबॉक्स ग्लोबल के निदेशक श्री सैयद ए. आसिम को समझौता ज्ञापन सौंपा, उन्होंने इस बात पर बल दिया कि यह साझेदारी छात्रों की तकनीकी विशेषज्ञता और वास्तविक दुनिया के ज्ञान को मजबूती प्रदान करेगी।

पर्यटन एवं आतिथ्य प्रबंधन विभाग के अध्यक्ष प्रो.(डॉ.) निमित चौधरी ने यह कहा कि पाठ्यक्रम में उन्नत ट्रैवल टेक्नोलॉजी को एकीकृत करने से यह सुनिश्चित होता है कि छात्र उद्योग के लिए तैयार हैं। सेंटर ऑफ इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप के निदेशक प्रो. (डॉ.) रिहान खान सूरी ने इस बात पर रोशनी डाली कि यह पहल नवाचार एवं कौशल विकास के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

श्री सैयद ए. असीम ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया के साथ सहयोग करने पर गर्व व्यक्त किया और कहा कि इस साझेदारी का उद्देश्य छात्रों को प्रतिस्पर्धी यात्रा एवं आतिथ्य क्षेत्र में सफल करियर के लिए तैयार करना है।

इस समझौता ज्ञापन समारोह में डॉ. विजय कुमार और अन्य संकाय सदस्य शामिल हुए।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया